"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-05-2001."

पंजीयन क्रमांक
"छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 83] रायपुर, शनिवार, दिनांक 18 मार्च 2017— फाल्गुन 27, शक 1938

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग
दाऊ कल्याण सिंह भवन (पुराना मंत्रालय) के समीप, रायपुर

प्रकरण क्रमांक एफ–68–150 / तीन(दो) / न.पा. / व्यय लेखा / 2015 / 2121 रायपुर, दिनांक 14 फरवरी 2017

जयशंकर झांप, अभ्यर्थी अध्यक्ष पद आम निर्वाचन दिसम्बर 2014, नगर पंचायत कोतबा, जिला जशपुर, छ.ग.

आदेश

(छ.ग. नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 32–ग सहपठित धारा 32–ख के अन्तर्गत)
पारित दिनांक 14 फरवरी, 2017.

1. यह प्रकरण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका), जशपुर के प्रतिवेदन दिनांक 16 अप्रेल, 2015 के आधार पर छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम 1961 (एतत्पश्चात संक्षेप में अधिनियम) की धारा 32–ग सहपठित धारा 32–ख के तहत प्रारंभ किया गया है।

2. प्रकरण का संक्षिप्त विवरण यह है कि नगर पंचायत कोतबा, जिला जशपुर के अध्यक्ष पद के लिये दिसम्बर 2014–जनवरी 2015 में सम्पन्न आम निर्वाचन में कुल 4 अभ्यर्थियों ने निर्वाचन लड़ा था। निर्वाचन परिणाम 4 जनवरी 2015 को घोषित किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका), जशपुर ने राज्य निर्वाचन आयोग को अपने ज्ञापन दिनांक 16 अप्रेल, 2015 के द्वारा निर्धारित प्रपत्र में जानकारी के साथ प्रतिवेदित किया कि नगर पंचायत कोतबा के आम निर्वाचन दिसम्बर 2014 में अध्यक्ष पद के अभ्यर्थी जयशंकर झांप द्वारा निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तिथि 4 जनवरी 2015 के पश्चात् नियत समयावधि में विधि की अपेक्षानुसार निर्वाचन व्यय का लेखा जिला निर्वाचन अधिकारी के पास दाखिल नहीं किया गया है।

3. कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका), जशपुर के प्रतिवेदन के परिप्रेक्ष्य में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अभ्यर्थी जयशंकर झांप को दिनांक 8–5–2015 को अधिनियम की धारा 32–ग सहपठित धारा 32–क एवं 32–ख के अन्तर्गत सूचना प्राप्ति के 15 दिन के अन्दर इस बात की हेतुक दर्शित करने के लिए कारण बताओ सूचना जारी की गई कि वे उक्त निर्वाचन व्यय लेखा अपेक्षित समय के भीतर विहित रीति में अधिसूचित अधिकारी के पास दाखिल करने में क्यों असफल रहे तथा क्यों न उनके विरूध्द अधिनियम की धारा 32–ग के अन्तर्गत कार्रवाई करते हुए उनको पांच वर्ष से अनधिक की कालावधि के लिए निर्वाचन लड़ने तथा नगरपालिका का अध्यक्ष या पार्षद होने के लिए निरर्हित किया जाए। उक्त कारण बताओ सूचना अभ्यर्थी जयशंकर झांप को दिनांक 23–5–2015 को सम्यक रूप से तामील की गई। अभ्यर्थी जयशंकर झांप द्वारा कारण बताओ सूचना के सन्दर्भ में अपना जवाब दिनांक 1–6–2015 को आयोग कार्यालय में मय आय व्यय लेखा की जानकारी (छायाप्रति) प्रस्तुत किया गय।

4. अभ्यर्थी जयशंकर झांप द्वारा अपने जवाब दिनांक 1–6–2015 में उल्लेख किया गया कि उन्होंने दिनांक 6 फरवरी 2015 को सम्पूर्ण आय व्यय का अंतिम लेखा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका) जशपुर के समक्ष प्रस्तुत कर दिया था। उनके द्वारा यह भी उल्लेख किया गया कि चुनाव परिणाम घोषित होने के पश्चात् वे बीमार पड़ गये थे तथा चिकित्सकों ने उन्हें विश्राम करने की सलाह दी थी। जिसके कारण निर्धारित समयसीमा के अन्दर निर्वाचन व्यय लेखा प्रस्तुत नहीं कर सके और दो दिनों के विलंब से दिनांक 6–2–2015 को प्रस्तुत किया। उनके द्वारा विलंब से प्रस्तुत निर्वाचन व्यय लेखा को स्वीकार करते हुए उनके विरूध्द प्रकरण समाप्त करने का निवेदन किया गया है।

5. अभ्यर्थी के जवाब के सन्दर्भ में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका) जशपुर का अभिमत प्राप्त किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी(नगरपालिका) जशपुर द्वारा अ.शा. पत्र कमांक 87/स्था.निर्वा./2016 दिनांक 7 जून 2016 में अभिमत दिया गया कि अभ्यर्थी के द्वारा प्रस्तुत आवेदन में अस्वस्थता के कारण 2 दिनों के विलंब से निर्वाचन व्यय लेखा प्रस्तुत किया गया है जिसके लिए अभ्यर्थी द्वारा क्षमायाचना की गई है। अतः अभ्यर्थी के विरूध्द कार्रवाई नहीं किये जाने की अनुशंसा भी अभिमत में की गई।

6. अभ्यर्थी जयशंकर झांप को उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब के सन्दर्भ में पक्ष समर्थन हेतु सुनवाई के लिए दिनांक 17 जनवरी 2017 को आयोग कार्यालय में आहूत किया गया। अभ्यर्थी जयशंकर झांप निर्धारित सुनवाई तिथि को सूचना पत्र प्राप्ति के उपरान्त भी उपस्थित नहीं हुए और न ही इस बाबत् कोई सूचना दी। अतः ऐसी स्थिति में यह मानते हुए कि अभ्यर्थी जयशंकर झांप को अपने पक्ष के समर्थन में और कुछ नहीं कहना है एवं तदनुसार उनके विरूध्द दिनांक 17–1–2017 को एक पक्षीय कार्रवाई की गई।

7. प्रकरण से सम्बन्धित अभिलेखों का परिशीलन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका), जशपुर ने प्रतिवेदित किया है कि अभ्यर्थी जयशंकर झांप ने निर्वाचन व्यय लेखा निर्धारित अवधि में प्रस्तुत नहीं किया। यह अधिनियम की धारा 32–क (1) एवं 32–ख का उल्लंघन है। अधिनियम की धारा 32–क (1) निम्नानुसार है :

"**धारा 32–क. (1) अध्यक्ष के निर्वाचन में निर्वाचन व्ययों का लेखा**– प्रत्येक अभ्यर्थी निर्वाचन संबंधी उपगत उस सब व्यय का जो, उस तारीख के जिसको वह नामनिर्दिष्ट किया गया है और उस निर्वाचन के परिणामों की घोषणा की तारीख के, जिनके अन्तर्गत ये दोनों तारीखें आती हैं, बीच स्वयं द्वारा या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा उपगत या उपगत करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, पृथक् और सही लेखा या तो वह स्वयं रखेगा या अपने निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा रखवायेगा।"

इससे स्पष्ट है कि अधिनियम की धारा 32–क (1) की अपेक्षानुसार अध्यक्ष पद के निर्वाचन में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन व्ययों का प्रतिदिन का लेखा रखा जाना अनिवार्य है। अधिनियम की धारा 32–ख निम्नानुसार है :

"**धारा 32–ख. निर्वाचन व्यय के लेखे को दाखिल किया जाना**– अध्यक्ष के निर्वाचन में का प्रत्येक निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी निर्वाचन की तारीख से 30 दिन के अन्दर अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा, जो उस लेखा की सही प्रति होगी जिसे उसने या उसके निर्वाचन अभिकर्ता ने धारा 32–क के अधीन रखा है, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचित अधिकारी के पास, दाखिल करेगा।"

अधिनियम की धारा 32–ख की अपेक्षानुसार निर्वाचन परिणाम की घोषणा तिथि से 30 दिवस के अंदर निर्वाचन व्यय का लेखा राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा अधिसूचित अधिकारी के पास दाखिल किया जाना अनिवार्य है। निर्वाचन व्यय (लेखा संधारण एवं प्रस्तुति) आदेश 2012 की कंडिका 07 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी को अधिसूचित अधिकारी नामोद्दिष्ट किया गया है। अतः उक्त व्यय लेखा जिला निर्वाचन अधिकारी के पास दिनांक 3 फरवरी 2015 तक प्रस्तुत करना था यद्यपि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका), जशपुर ने अपने प्रतिवेदन में इसे 4 फरवरी 2015 उल्लेखित किया है।

8. कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका), जशपुर के प्रतिवेदन तथा प्रकरण से सम्बंधित उपलब्ध अन्य अभिलेखों के परिशीलन से यह स्पष्ट होता है कि नगरपंचायत कोतबा के आम निर्वाचन दिसम्बर 2014 में भाग लेने वाले अभ्यर्थी जयशंकर झांप ने अधिनियम की धारा 32–क (1) तथा धारा 32–ख की अपेक्षानुसार निर्वाचन व्यय का लेखा अधिसूचित अधिकारी के पास निर्धारित अवधि में दाखिल न कर 3 दिन विलंब से दिनांक 6 फरवरी 2015 को दाखिल किया। इस विलंब का कारण अभ्यर्थी ने स्वयं की अस्वस्थता होना अपने जवाब में उल्लेखित किया है। परन्तु अभ्यर्थी ने इसकी पुष्टि में चिकित्सक का प्रमाण पत्र आदि प्रस्तुत नहीं किया। अभ्यर्थी अस्वस्थ होने की स्थिति में अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से भी निर्वाचन व्यय लेखा निर्धारित समयसीमा में दाखिल कर सकता था। अभ्यर्थी को उसके द्वारा प्रस्तुत जवाब के सन्दर्भ में पक्ष समर्थन के लिए आयोग द्वारा व्यक्तिगत सुनवाई हेतु आहूत किये जाने पर वे सूचना प्राप्ति के उपरान्त भी निर्धारित दिनांक को उपस्थित नहीं हुए। इस असफलता के लिए उन्होंने कोई कारण अथवा न्यायोचित्यता रखने की सूचना भी नहीं दी। अतः मुझे यह समाधान हो गया है कि अभ्यर्थी जयशंकर झांप प्रश्नाधीन निर्वाचन व्ययों का लेखा निर्धारित समयावधि के भीतर अधिनियम के अधीन अपेक्षित रीति में आयोग द्वारा अधिसूचित अधिकारी के पास दाखिल करने

में असफल रहे हैं तथा वे इस असफलता के लिये कोई उपयुक्त कारण या न्यायोचित्यता नहीं रखते हैं। तदनुसार अधिनियम की धारा 32–ग के प्रावधान अनुसार अभ्यर्थी जयशंकर झांप को निर्वाचन व्ययों का लेखा निर्धारित समयावधि के भीतर विहित रीति से विधि की अपेक्षानुसार दाखिल करने में असफल रहने के कारण तथा धारा 32–ग (ख) में वर्णित कोई यथोचित कारण नहीं रखने के कारण इस आदेश की तारीख से 4 (चार) वर्श की कालावधि के लिये नगरपालिका का अध्यक्ष या पार्षद होने के लिए निरर्हित घोषित किया जाता है। अधिनियम की धारा 32–ग की अपेक्षानुसार इस आदेश का प्रकाशन छत्तीसगढ़ राजपत्र में कराया जाए।

9. यह आदेश छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की मोहर से तारीख 14 फरवरी, 2017 को जारी किया गया।

हस्ता./–

(राम सिंह)
राज्य निर्वाचन आयुक्त.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय मुद्रणालय, रायपुर से मुद्रित तथा प्रकाशित - 2017.